केंद्रीय विद्यालय सीतापुर

विषय : <u>विश्व बंधुत्व दिवस का आयोजन</u>

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर में 11 सितम्बर विश्व बंधुत्व दिवस के रू
मनाया गया | कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य सुनील कुमार जी द्वारा स्
विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ | विद्यालय के शिक्षक नी
कुमार मिश्र ने विश्व बधुत्व दिवस पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए इ
प्रासंगिकता को रेखांकित किया | अपने संबोधन में उन्होंने शिकागो धर्म सम्म
में स्वामी विवेकानंद के द्वारा बहनों एवं भाइयों शब्दों के प्रयोग एवं इ
निहितार्थ को स्पष्ट किया इसके साथ ही उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानं
ही दुनिया के सामने भारतीय मेघा की महत्ता को स्थापित किया | छात्रों
संबोधित करते हुए प्राचार्य महोदय ने विश्व बंधुत्व क्या है ? विश्व बंधुत्व
भावना को कैसे बढाया जाय इस पर अपने विचार व्यक्त किये | अपने संबोध
प्राचार्य ने स्वामी विवेकानंद को भारत का आध्यत्मिक पिता एवं क्रांति का
बताया तथा छात्रों को स्वामी विवेकानंद के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित कि
श्री संजीव कुमार राय द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया |

दिनांक : 11.09.2015

(सुनील कुमार)
प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर

प्रेस विज्ञप्ति

विषय : स्वतन्त्रता दिवस के पावन पर्व पर ऊँचे सपनों व ऊँची उडान का संक

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर में 15 अगस्त 2015 जोश, हर्षोल्लास एवं उत्साह से म
गया | विद्यालय की दोनों पालियों के छात्र, अध्यापक एवं कर्मचारी बृंद प्रातः 7 बजे राष्ट्रीय
का साक्षी बनने हेतु विद्यालय पहुँचे, तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया| छात्र-कर्मचारी सब
चेहरे पर महान देश का नागरिक होने का गौरव और दिल की गहराइयों में गांधी, नेहरू,
जैसे स्वतन्त्रता सेनानियों एवं अन्य लाखों-करोड़ों गुमनाम देशभक्त शहीदों के प्रति कृतज्ञ
सम्मान का भाव परिलक्षित हो रहा था | विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार जी
ध्वजारोहण के साथ, लहराते हुए तिरंगे की शान में 1500 छात्रों ने जन-गण-मन की
लहरियों से गगन गुंजायमान किया | सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत प्रथम पाली के
द्वारा “हम भारत के बच्चे” गाने पर नृत्य के साथ हुई, इसके बाद द्वितीय पाली के छा
“वीर जवानों भारत माँ ” पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया | “कंधे से मिलते हैं कंधे”, “सुनो
से दुनिया वालों” एवं “ तेरा नाम है सांचा” गाने पर उर्जा व जोश से भरी प्रस्तुति ने सब
मन मोह लिया । इसके साथ ही देश की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करती हुई
अनेक मनमोहक व सराहनीय प्रस्तुतियाँ छात्रों द्वारा दी गई | छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृ
एवं रंगारंग कार्यक्रम की उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ सराहना की|

इस पावन पर्व पर सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार ने स्वत
के मूल्य, स्वतन्त्रता प्राप्ति हेतु देशवासियों द्वारा किये गये संघर्ष व बलिदान को रेख
किया । महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल, भगत
चन्द्रशेखर आजाद जैसे पुरोधा सेनानियों के कार्यों व देशभक्ति की चर्चा करते हुए प्राचा
छात्रों को इन महापुरूषों से सीखने व प्रेरित होने का आवाहन किया | बदलते हुए आर्थिक यु
भी देश के प्रति अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के निर्वहन की अपील करते हुए छात्रों को
समतामूलक विकासोन्मुख भारत के निर्माण के लिए प्रेरित किया |

प्राचार्य महोदय ने विद्यालय में किये गये ढांचागत विकास व सुधारों के बारे में
हुए नये फर्नीचरों की उपलब्धता को रेखांकित किया| साथ ही विद्यालय में जल की उपल
को बढ़ाने हेतु इंडिया मार्का हैन्डपम्प तथा इलेक्ट्रिसिटी व्यवस्था को सुधारने के लिए एक
30 के. वी. के जेनसेट की स्थापना की उद्घोषणा की| इस अवसर पर अपने सम्बोध
उपप्राचार्य संजय कुमार जी ने छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना करते हुये छात्रों से
के आन-बान-शान हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करने का आवाहन किया । देशभक्ति को सर्वो
गुण व आदर्श बताते हुये छात्रों से इसे आत्मसात करने की अपील की । स्वतन्त्रता
कार्यक्रम का संचालन संजीव कुमार राय एवं उषा पाल द्वारा किया गया । छात्रों को मि
वितरण के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ ।

(सुनील कुमार)
प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर

प्रेस विज्ञप्ति

विषय : विद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय सुदूर संवेदन दिवस

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर में 12 अगस्त 2015 को भारत के महान वैज्ञानिक भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम के जनक डा० विक्रम अम्बालाल साराभाई के दिन को राष्ट्रीय सुदूर संवेदन दिवस (National Remote Sensing Day) के रू मनाया गया. कार्यक्रम का शुभाम्भ विद्यालय के प्राचार्य श्री सुनील कुमार उप प्राचार्य श्री एस.के शर्मा द्वारा विक्रम साराभाई के चित्र पर माल्यार्पण के हुआ | कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय के शिक्षक श्री नवीन कु श्रीवास्तव ने सुदूर संवेदन तकनीक और इसके महत्व पर प्रकाश डाला । कक्षा ब की छात्रा आलिया फिरदौस और श्रेया तिवारी कक्षा 10 अ द्वारा डा० वि अम्बालाल साराभाई के जीवन वृत्त एवं कार्यों पर प्रकाश डाला | इस अवसर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे रिमोट सेंसिग पर क्विज,जल प्रबंध सुदूर संवेदन की उपयोगिता विषय पर भाषण आदि का आयोजन किया ग कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री नीलेश मिश्रा द्वारा कि गया,जिन्होने रिमोट सेन्सिंग के वर्तमान युग में महत्व को रेखांकित किया । में प्राचार्य महोदय ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुये डिजिटल इंडिया आवश्यकता और रिमोट सेन्सिंग के दैनिक जीवन में उपयोग पर चर्चा करते छात्रों को डा० विक्रम अम्बालाल साराभाई के जीवन से प्रेरणा लेने तथा वैज्ञा सोच विकसित करने हेतु अभिप्रेरित किया | कार्यक्रम का समापन विद्यालय शिक्षक श्री संजीव राय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ |

प्राचार्य

(सुनील कुमा

VIKRAM AMBALAL SARABHAI

विद्यालय आपकी सम्पत्ति है, इसकी सुरक्षा कीजिए।
THE VIDYALYA IS YOUR PROPERTY GUARD IT